Date - 16 Feb 2022

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण- एपीडा

एपीडा
APEDA

Agricultural & Processed Food Products Export Development Authority.

Ministry of Commerce & Industry, Government of India

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण **(APEDA)** ने **13** फरवरी, **2022** को अपना **36**वां स्थापना दिवस मनाया।
- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की स्थापना भारत सरकार द्वारा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, **1985** के तहत की गई थी।

- यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन काम करता है। प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- प्राधिकरण ने प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन परिषद का स्थान लिया। यह निर्यात के लिए निर्धारित उत्पादों से संबंधित उद्योगों के विकास को देखता है।
- एपीडा इस कार्य को वित्तीय सहायता या अन्य प्रकार के सर्वेक्षण और व्यवहार्यता अध्ययन के रूप में और समर्थन की योजनाओं के माध्यम से भागीदारी के माध्यम से करता है।
- एपीडा ने कृषि निर्यात बढ़ाने में सरकार का सक्रिय रूप से समर्थन किया है, जिससे कृषि निर्यात **1986** में **600** मिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष **2020-21** में **200** बिलियन डॉलर हो गया।
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, एपीडा ने कई देशों को भारतीय निर्यात बढ़ाने में मदद की है।
- एपीडा का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में **23** अरब डॉलर **700** मिलियन डॉलर का निर्यात करना है, जिसमें से लक्ष्य का **70** प्रतिशत से अधिक जनवरी **2022** तक हासिल कर लिया गया है।
- मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत को ध्यान में रखते हुए एपीडा स्थानीय कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दे रहा है, इनमें भूमि संकेतक, स्वदेशी और आदिवासी कृषि उत्पाद शामिल हैं।

कोआला: ऑस्ट्रेलिया

- हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने आधिकारिक तौर पर कोआला को 'लुप्तप्राय' प्रजाति घोषित किया है।

लुप्तप्राय घोषित होने का कारण:

- ऑस्ट्रेलिया की कोआला आबादी दो दशकों से अधिक समय से विलुप्त होने के कगार पर है। NSW (न्यू साउथ वेल्स) में कोआला की आबादी 2001 से 33% से घटकर 61% हो गई है।
- पशु अधिकार समूहों और संरक्षणवादियों द्वारा कई मांगों के बावजूद, सरकार पर प्रजातियों की रक्षा के लिए बहुत कम करने का आरोप लगाया गया है। कोआला को वर्ष 2012 में "कमजोर" घोषित किया गया था।
- ऑस्ट्रेलिया में 2019 की भयावह आग के दौरान, जिसे अब 'ब्लैक समर' के रूप में जाना जाता है, लगभग 60,000 कोआला प्रभावित हुए, जिससे उनके विशाल आवासीय क्षेत्र रहने लायक नहीं रह गए।
- एक अन्य प्रमुख खतरा क्लैमाइडिया का प्रसार है, जो एक यौन संचारित रोग है जो कोआला में प्रजनन पथ में अंधापन और अल्सर का कारण बनता है।

महत्त्व:

YojnaIAS

- कोआला के लिए 'लुप्तप्राय' स्थिति का अर्थ है कि उन्हें और उनके वन आवासों को ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय पर्यावरण कानून के तहत अधिक सुरक्षा दी जाएगी।

कोआला:

- कोआला ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में रहने वाले पेड़ की एक दुर्लभ प्रजाति है। कोआला जीनस फास्कोलार्क्टिडे का अंतिम दुर्लभ जानवर है।
- ये शाकाहारी मार्सुपियल स्तनधारी हैं जो अपने बच्चों को अपने पेट पर बनी थैली में रखते हैं।
- उल्लेखनीय है कि मार्सुपियल्स के नवजात शिशु अन्य स्तनधारियों के नवजात शिशुओं की तुलना में कम विकसित होते हैं और जन्म के बाद लंबे समय तक (कई हफ्तों या महीनों तक) अपनी मां के गर्भ में विकसित होते हैं।
- वे अपने निकटतम सजीव संबंधियों, वोम्बैट्स के साथ कई विशेषताएं साझा करते हैं।

प्राकृतिक वास:

- कोआला का विशिष्ट आवास नीलगिरी के खुले जंगल हैं और उनका अधिकांश आहार पेड़ के पत्ते हैं। सामाजिक व्यवहार के संदर्भ में, कोयल असामाजिक जानवर हैं और आमतौर पर भावनात्मक बंधन केवल माताओं और संतानों के बीच ही देखा जाता है।
- यह ऑस्ट्रेलिया का एक स्थानिक जानवर है।
- नीलगिरी के पत्तों में पोषक तत्वों का स्तर कम होने के कारण कोआला दिन में 18 घंटे तक सो सकते हैं।

जोखिम:

- आवास विनाश, जलवायु परिवर्तन और गंभीर मौसम (सूखा, अत्यधिक तापमान) ।
- आईयूसीएन रेडलिस्ट: संवेदनशील

Yojna IAS

सोलोमन द्वीप: अमेरिका

- हाल ही में अमेरिका का कहना है कि वह सोलोमन द्वीप में एक दूतावास खोलेगा, जो चीन के "मजबूत प्रभाव" से पहले दक्षिण प्रशांत राष्ट्र में अमेरिकी प्रभाव को बढ़ाने की जोरदार योजना बनाएगा।

निर्णय के कारण:

- सोलोमन द्वीप द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45) के समय से अमेरिकियों के युद्ध स्थल के इतिहास का गवाह रहा है, लेकिन अमेरिका को इस क्षेत्र में अपने विशेषाधिकार खोने का डर था क्योंकि चीन ने कुलीन राजनेताओं और व्यापारिक लोगों को अपने पक्ष में लाया था।
- यह कदम नवंबर, 2021 में 700,000 की आबादी वाले इस देश में दंगों के बढ़ने के बाद आया है।
- शांतिपूर्ण विरोध हिंसक दंगों में बदल गया और चीन के साथ देश के बढ़ते संबंधों के बारे में लंबे समय से चल रही क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता, आर्थिक समस्याओं और चिंताओं को उजागर किया।
- दूतावास की घोषणा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नई बिडेन शासन रणनीति के साथ फिट बैठती है और चीन के बढ़ते प्रभाव और महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए इस क्षेत्र में सहयोगियों के बीच साझेदारी बनाने पर जोर देती है।
- हाल ही में हुई क्वाड वार्ता में अमेरिका ने कहा है कि वह भारत-प्रशांत क्षेत्र को "स्वतंत्र, खुला, समृद्ध, सुरक्षित और लचीला" बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सोलोमन द्वीप समूह का स्थान:

- सोलोमन द्वीप एक राष्ट्र है जो पापुआ न्यू गिनी के पूर्व में मेलानेशिया में स्थित है, जिसमें 990 से अधिक द्वीप हैं। इसकी राजधानी होनियारा है, जो ग्वाडलकैनाल द्वीप पर स्थित है।
- इसमें ज्वालामुखीय द्वीपों और प्रवाल द्वीपों की दोहरी शृंखला होती है।
- मेलानेशिया दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में ओशिनिया का एक उप-क्षेत्र है।
- देश में बुका और बोगनविलिया को छोड़कर अधिकांश सोलोमन रेंज शामिल हैं, जो उत्तर-पश्चिमी छोर पर पापुआ न्यू गिनी नामक एक स्वायत्त क्षेत्र बनाते हैं।
- द्वीप एक संवैधानिक राजतंत्र है, जिसमें ब्रिटिश सम्राट का प्रतिनिधित्व गवर्नर-जनरल द्वारा किया जाता है, जो राज्य के औपचारिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है।

शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय पुरस्कार

- हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए 5वां राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।
- राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) ने जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए 'शैक्षणिक प्रशासन में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' (आईजीपीईए) की स्थापना की है।
- एनआईईपीए, शिक्षा मंत्रालय के तहत न केवल भारत में बल्कि दक्षिण एशिया में भी शिक्षा की योजना और प्रबंधन में क्षमता निर्माण और अनुसंधान से संबंधित एक प्रमुख संगठन है।

पुरस्कार प्रमुख बिंदु

- शिक्षा की सार्वजनिक प्रणाली के कामकाज में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और बेहतर प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2014 में एनआईईपीए द्वारा पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

उद्देश्य:

Yojna IAS

- जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासनिक व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन के लिए जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों द्वारा अपनाए गए नवीन विचारों और प्रथाओं को पहचानना।

महत्त्व:

- क्षेत्रीय स्तर पर शैक्षिक अधिकारी भी व्यवस्था के प्रशासन और शिक्षा के संस्थागत स्तर के प्रबंधन के बीच एक आवश्यक कड़ी हैं। क्षेत्रीय स्तर पर नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में इन अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।
- कुछ प्रमुख क्षेत्रों में जहां अधिकारियों ने कई उपाय किए हैं, उनमें शामिल हैं- डिजिटल कक्षाओं तक आईसीटी की पहुंच, फेसबुक और व्हाट्सएप का उपयोग; मानव और वित्तीय संसाधनों को जुटाना; स्कूलों में बुनियादी ढांचे में सुधार, सामुदायिक समर्थन और समर्थन; कौशल निर्माण, विशेष रूप से भाषा कौशल में सुधार; शिक्षकों के क्षमता निर्माण एवं विद्यालयों के समग्र कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि से संबंधित उपाय।

Swadeep Kumar

Yojna IAS